लापरवाही | समय सीमा बीती, पर नहीं खुला धमकी रेल फाटक

क्षेत्र की हजारों जनता भुगत रही खामियाजा

नवभारत, सिहोरा। रेल प्रशासन और ठेकेदार की जुगलबंदी का खामियाजा आज क्षेत्र की हजारों जनता भुगत रही है। गांधीग्राम के पोषित ग्राम धमकी स्थित रेल फाटक (गेट नंबर 329) को बिना किसी पूर्व सूचना और बिना वैकल्पिक मार्ग (डायवर्सन) बनाए बंद कर दिया गया है। आलम यह है कि अनुमति की समय सीमा बीते एक पखवाड़ा (15 दिन) हो चुका है, लेकिन न तो अंडर ब्रिज का काम पूरा हुआ और न ही आम जनता के लिए रास्ता खोला गया।

नियमों को ताक पर रखकर काम कर रही भुसावल की कंपनी

धमकी रेल फाटक पर अंडर ब्रिज निर्माण का ठेका भुसावल की मैसर्स मनवानी कंपनी को दिया गया है। नियमानुसार, जब किसी फाटक को निर्माण कार्य के लिए बंद किया जाता है, तो रेल विभाग ठेकेदार को कड़ी शर्तों के साथ अनुमति देता है। इसमें सबसे प्रमुख शर्त राहगीरों के लिए सुगम वैकल्पिक मार्ग (डायवर्सन) बनाना और मार्ग के दोनों ओर दिशा-सूचक बोर्ड लगाना होता है। लेकिन धमकी गेट पर इन नियमों की धज्जियां उड़ाई गई हैं। न तो वहां कोई बोर्ड है और न ही निकलने का रास्ता।

कांटों भरी पगडंडी से स्कूल जाने को मजबूर छात्र

इस मार्ग के बंद होने से बेला, झांसी, रानीताल, सिलुवा, रामनगर, खमरिया, टिकरिया, पौड़ी कला, अतरिया और पिपरसरा जैसे दर्जनों गांवों का संपर्क कट गया है। सबसे बुरा हाल गांधीग्राम संकुल हायर सेकेंडरी स्कूल जाने वाले छात्र-छात्राओं का है। बच्चे ऊंची-नीची और कांटेदार पगडंडियों से गिरते-पड़ते स्कूल पहुंचने को मजबूर हैं। कई छात्र इस दुर्गम रास्ते के कारण चोटिल भी हो चुके हैं, लेकिन रेल अधिकारियों का दिल नहीं पसीज रहा।

जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने दी आंदोलन की चेतावनी

इस समस्या को लेकर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। शिव प्रसाद बिरहा (सरपंच सिलुवा), शांति रामराज पटेल (सरपंच बेला), चंदाबाई (पंच गांधीग्राम) सहित स्थानीय निवासी शालिग्राम कोरी, विनोद दाहिया और सुनील कुशवाहा आदि ने मांग की है कि लापरवाह ठेकेदार कंपनी पर तत्काल जुर्माना लगाया जाए। दोषी अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई हो। विलंब वैकल्पिक सुगम मार्ग बनाया जाए या फाटक खोला जाए। ग्रामीणों का कहना है कि यदि शीघ्र ही समाधान नहीं हुआ, तो वे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

अनुमति की मियाद खत्म, फिर भी मनमानी जारी

जांच में यह चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है कि रेल प्रशासन ने इस फाटक को बंद करने की अनुमति दिनांक 23/12/2025 सुबह 8:00 बजे से 10/01/2026 शाम 6:00 बजे तक ही दी थी। आज इस समय सीमा को बीते 13 दिन से ज्यादा हो चुके हैं। ठेकेदार कंपनी ने समय पर काम पूरा नहीं किया और स्थानीय रेल अधिकारियों ने दोबारा रास्ता खुलवाने या वैकल्पिक व्यवस्था करने की जहमत नहीं उठाई।

अधिकारियों की 'अभिज्ञता' और कर्तव्यविहीनता

जब इस समस्या को लेकर जबलपुर रेल ऑफिस के अधिकारी श्री शशिकांत से संपर्क किया गया, तो उन्होंने पूरी तरह अनभिज्ञता जाहिर कर दी। उन्होंने 'पी.ई.' से पूछकर बताने की बात कही, लेकिन घंटों इंतजार के बाद भी कोई जवाब नहीं दिया। वहीं, संबंधित सेक्शन इंजीनियर ने भी गैर-जिम्मेदाराना रवैया अपनाते हुए फोन काट दिया। अधिकारियों का यह व्यवहार दर्शाता है कि उन्हें जनता की तकलीफों से कोई सरोकार नहीं है।

ट्रांसफार्मर की क्षमता वृद्धि से मिलेगा उपभोक्ताओं को लाभ

नवभारत,सिहोरा। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के जबलपुर (संचा/संधा) ग्रामीण वृत्त के सिहोरा (संचा/संधा) संभाग के पाटन विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत मझौली वितरण केन्द्र में स्थापित 33/11 के.व्ही. अभाना विद्युत उपकेन्द्र में 5 से 10 एम.व्ही.ए. पावर ट्रांसफार्मर क्षमता वृद्धि कर सफलतापूर्वक चार्ज एवं चालू किया गया। इस कार्य के पूर्ण होने से सबस्टेशन से जुड़े 11 के.व्ही. अमगवां घरेलू व कृषि, पड़वार घरेलू व कृषि, तागबेहर घरेलू व कृषि फीडरों से संबंधित ग्राम देवरी अमगवां, अभाना, सिमरिया, खम्हरिया, सिहोदा, मोहनिया, पडवार, मझगवां, तागबैहर, दुहतरा, मुडिया अमोदा आदि 36 ग्रामों में 3293 घरेलू उपभोक्ता, 1241 कृषि उपभोक्ता लाभान्वित होगे जिनको कम वोल्टेज की समस्या से निजात मिलेगी एवं सुचारू बिजली मिलेगी। यह कार्य अधीक्षण अभियंता श्री खुशियाल शिववंशी, कार्यपालन अभियंता श्री अमित कुमार विश्वकर्मा, एस.टी.एम. कार्यपालन अभियंता श्री अवनीश कुमार सिंह के मार्गदर्शन में सहायक अभियंता श्री जसवंत सिंह चौधरी, श्री रोहित काछी, श्री एम.पी. विश्वकर्मा, कनिष्ठ अभियंता श्री अरविन्द कोल की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। कंपनी प्रबंधन' द्वारा निर्देशित किया गया कि भविष्य में ऐसे सभी ओवरलोडिंग सबस्टेशनों को चिन्हित करते हुए कार्ययोजना बनाकर पावर ट्रांसफार्मर क्षमता वृद्धि के कार्य किए जाए और भविष्य की कार्ययोजना तैयार की जाए जिससे क्षेत्र की जनता को वोल्टेज की समस्या से निजात मिलेगी एवं उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी।

मझौली बालिका छात्रावास में बिना वॉर्डन के रह रहीं छात्राएं

मझौली (जबलपुर)। मझौली बालिका छात्रावास में लापरवाही का आरोप लगाया गया है। आरोप है कि बिना वार्डेन के छात्रावास में छात्राएं रह रहीं हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार तहसील कार्यालय के पास स्थित बालिका छात्रावास नेता जी सुभाष चंद्र बोस, मझौली जहां पर नियुक्त वार्डन सरस्वती मंडलेश्वर की गंभीर लापरवाही सामने आई है। आरोप है कि छात्रावास में बगैर वार्डेन के ही बालिकाएं रह रही हैं जिससे उनकी सुरक्षा और देखरेख पर बड़े सवाल खड़े हो गए हैं।

सूत्रों के मुताबिक नियमित निगरानी के अभाव में छात्रावास की व्यवस्थाएं चरमराई हुई हैं। यह स्थिति न केवल छात्राओं की सुरक्षा के लिए खतरा है, बल्कि शासन की छात्रावास संचालन गाइडलाइन का भी खुला उल्लंघन मानी जा रही है। स्थानीय नागरिकों और अभिभावकों में इसको लेकर रोष है और उन्होंने तत्काल जांच व जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन से अपेक्षा है कि वह तत्काल निरीक्षण कर वार्डेन की नियुक्ति सुनिश्चित करे, ताकि भविष्य में किसी भी अप्रिय घटना की आशंका को रोका जा सके।

सरोज जैन का निधन

नवभारत, मझौली। इंद्राना मझौली निवासी श्रीमति सरोज जैन का 83 वर्ष के आयु में निधन हो गया है। आप कढ़ोरी लाल जैन की धर्मपत्नी ,राजू जैन ,मनोज जैन, संजय जैन, की माता थीं। अंतिम संस्कार स्थानीय श्मशान घाट में किया गया ।

वैज्ञानिक पशुपालन पद्धतियों की दी गई जानकारी

नवभारत, सिहोरा। नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्व विद्यालय के कुलगुरू डॉ मंदीप शर्मा की प्रेरणा एवं संचालक विस्तार सेवाएं डॉ सुनील नायक , अधिष्ठाता पशु चिकित्सा विज्ञान एवं पशु पालन महाविद्यालय, जबलपुर डॉ आर. के. शर्मा के मार्ग दर्शन में पशु वैज्ञानिक टीम सोमवार को सिहोरा तहसील के ग्राम गोसलपुर पहुंचीं। यहां पर राष्ट्रीय गौ अनुसंधान केंद्र मेरठ द्वारा वित्त पोषित पशु पालन प्रशिक्षण शिविर एवं आदान सामग्री वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।

प्रशिक्षण में भाग लेने वाले पशुपालकों को ,वैज्ञानिकों को वैज्ञानिक पशुपालन पद्धतियों, पशु पोषण, स्वास्थ्य प्रबंधन और उत्पादकता में वृद्धि के बारे में जानकारी देकर प्रशिक्षित किया । वहीं पात्र हितग्राहियों को खनिज लवण मिश्रण, काउ मेट, दूध केन और पशु पालन मार्गदर्शिका पुस्तिका जैसी उपयोगी आदान सामग्री का वितरण किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ राहुल शर्मा, डॉ श्यामन्तक मणि त्रिपाठी, डॉ निर्मला मुविल, डॉ शिवांगी शर्मा एवं शशांक दुबे का सक्रिय योगदान रहा। इस अवसर पर सरपंच गिरजा पालीवाल, पंचायत सचिव प्रदीप यादव एवं ग्राम के अन्य गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे।

अब सुकरी में लगने लगा साप्ताहिक बाजार

सुकरी,नवभारत। ग्राम पंचायत सुकरी में सोमवार से साप्ताहिक बाजार शुरू हो गया है। बाजार शुरू होने के पूर्व ग्राम के सरपंच बृजेश पटेल ने क्षेत्र के विख्यात काली मंदिर में पूजा अर्चना की। बाजार के पहले दिन ही काफी चहल पहल देखने को मिली। उद्घाटन अवसर पर जनपद सदस्य उमेश जहरिया एवं क्षेत्र के ग्रामीण नागरिक उपस्थित रहे। यह बाजार प्रत्येक सोमवार को लगा करेगा, इस आशय की सूचना करीब 10 से 15 ग्राम के लोगों और

व्यापारियों को दी गई है और अपेक्षा की गई है कि व्यापारी बंधु बाजार में सुव्यवस्थित तरीके से अपनी सामग्री का विक्रय करें ताकि बाजार संचालन अच्छी तरीके से हो सके और किसी को भी परेशानी ना हो।

पिस्टल के साथ बदमाश पकड़ाया

जबलपुर। संजीवनी नगर पुलिस ने बहनदन पुल के पास सर्विस रोड में दबिश देकर एक बदमाश को पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि बहनदन पुल के पास सर्विस रोड में अपराध करने की नीयत से घूम रहे नीरज पुरी गोस्वामी 40 वर्ष ग्राम भुआ बिछिया जिला मण्डला का को पकड़ा गया। तलाशी लेने पर पैंट की एक मोबाईल एवं एक देशी पिस्टल रखे मिला जिसकी मैग्जीन में 1 कारतूस लोड होना पाया गया, जिसे जप्त करते हुये आरोपी खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये उक्त पिस्टल कारतूस कहॉ से और कैसे प्राप्त किया के सम्बंध में पूछताछ जारी है।

एनएसएस शिविर का सुरैया पाटन में समापन

पाटन, नवभारत। शासकीय मोहनलाल हरगोविंद दास गृह विज्ञान एवं विज्ञान महिला महाविद्यालय, जबलपुर द्वारा देवी सुरैया, पाटन में आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) शिविर का सोमवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। शिविर का आयोजन सामाजिक सेवा, जन-जागरूकता एवं छात्राओं के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से किया गया । शिविर के दौरान छात्राओं ने स्वच्छता अभियान, ग्राम सर्वेक्षण, सामाजिक जागरूकता एवं नेतृत्व क्षमता से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता की और अनेक नई-नई चीज़ें सीखीं। कार्यक्रम को सफल बनाने में नगर पालिका अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं समस्त पार्षदों का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। इसके साथ ही क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिक राघवेंद्र शुक्ला का भी शिविर में महत्वपूर्ण योगदान रहा । सात दिवसीय शिविर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. समीर कुमार शुक्ल के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित किया गया । शिविर के संचालन में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रीना भरम, डॉ. रश्मि पटेल एवं शक्ति बबेले का विशेष योगदान रहा।

सूने मकान से जेवरात नगदी ले गए चोर

जबलपुर। संजीवनीनगर थाना चंदन कॉलोनी में चोरों ने सूने मकान में धावा बोलकर सोने चांदी के जेवरात, नगदी पार कर दी। पुलिस ने बताया कि श्रीमति संगीता पटेल 31 वर्ष निवासी चंदन कॉलोनी संजीवनीनगर ने रिपोर्ट कराई कि घर में ताला लगाकर बच्चों को लेकर ब्लाउज उठाने धनवंतरीनगर कृतिका बुटिक गयी थी जहां से कपड़े लेकर अपनी भाभी सीमा के घर गयी थी वहां से घर लौटीं तो देखा सामने वाले दरवाजे के ताले के आसपास ठोकने के निशान थे, उसने ताला खोलकर अंदर जाकर देखा आलमारी का सामान बिखरा हुआ था लॉकर में रखे सोने चांदी के जेवर जिनमें चार सोने की अंगूठी, एक जोड़ी झाला, सोने की बच्चे की हाय, चार नाक की लोंग, दो सोने के मोती, चांदी की चार जोड़ी पायल, तीन जोड़ी बिछिया, एक कड़ा, दो मोबाइल, नगदी 9 हजार रूपये गायब थे, घर के पीछे तरफ के गेट की जाली मुड़ी हुयी थी। कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया है।

अनुशासन और निरंतर परिश्रम से मिलती हैं सफलता : माया

सांदीपनि विद्यालय में वार्षिकोत्सव, बिदाई समारोह एवं कैरियर गाइडेंस शिविर आयोजित

शहपुरा नवभारत 2 फरवरी। सांदीपनि विद्यालय शहपुरा में शालेय वार्षिकोत्सव, कक्षा 12वीं की छात्राओं के लिए विदाई समारोह तथा कैरियर गाइडेंस शिविर का संयुक्त रूप से आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा, अनुशासन और आत्मविश्वास देखने को मिला, वहीं मार्गदर्शन सत्र ने बच्चों के भविष्य को नई दिशा दी।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की वंदना के साथ हुआ, जिससे वातावरण श्रद्धा, उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा से भर गया। इसके पश्चात कक्षा 11वीं की छात्राओं ने कक्षा 12वीं की छात्राओं को भावनात्मक विदाई दी। इस अवसर पर मंच पर भावुक क्षण देखने को मिले। उपलब्धियों की मुस्कान के साथ विद्यालय से बिछुड़ने का भाव 12वीं की छात्राओं के चेहरों पर स्पष्ट झलक रहा था।

रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

शालेय वार्षिकोत्सव के दौरान विद्यार्थियों ने एकल नृत्य, सामूहिक नृत्य, हास्य नृत्य एवं प्रहसन जैसी आकर्षक प्रस्तुतियाँ दीं। बच्चों का आत्मविश्वास, तालमेल और अभिनय दर्शकों की तालियों का केंद्र बना।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विद्यालय की सेवानिवृत्त उच्च माध्यमिक शिक्षिका माया ठाकुर रहीं। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन, निरंतर परिश्रम एवं नैतिक मूल्यों को जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी।

कैरियर गाइडेंस शिविर में मिला भविष्य का मार्गदर्शन

कैरियर गाइडेंस शिविर में डिण्डौरी जिले के वरिष्ठ पत्रकार भीमशंकर साहू ने विद्यार्थियों को मीडिया, प्रशासन, प्रतियोगी परीक्षाओं सहित विभिन्न करियर विकल्पों की जानकारी दी। उन्होंने लक्ष्य निर्धारण, समय प्रबंधन और आत्ममूल्यांकन पर विशेष जोर दिया।

स्पष्ट लक्ष्य व सकारात्मक सोच रखें : प्राचार्य

विद्यालय के प्राचार्य यशवंत कुमार साहू ने कहा कि स्पष्ट लक्ष्य, सकारात्मक सोच और नियमित अध्ययन से ही सफलता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक उमाकांत झारिया द्वारा किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं, स्टाफ एवं अभिभावक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

पंडाल में बज रहे थे कानफाड़ू डीजे प्रकरण दर्ज

जबलपुर। ग्वारीघाट थाना अंतर्गत सिद्ध गणेश मंदिर के पास मेन रोड पर एक पंडाल में बिना अनुमति कानफाड़ू डीजे बज रहे थे। पुलिस ने संचालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर 6 छोटे बड़े स्पीकर एवं एम्पलीफार जप्त किया है। पुलिस ने बताया कि सिद्ध गणेश मंदिर के पास मेन रोड पर एक पंडाल में डीजे बजाकर अत्याधिक ध्वनि का उपयोग कर ध्वनि प्रदूषण करने वाले दीपक अहिरवार 25 वर्ष निवासी बागड़ा दफाई काली मंदिर के पास ग्वारीघाट से पंडाल निर्माण एवं डीजे बजाने की वैधानिक अनुमति मांगने पर नहीं होना बताया, डीजे संचालक दीपक अहिरवार के कब्जे से 6 छोटे बड़े स्पीकर, एक बड़ा एम्पलीफायर कीमती लगभग 50 हजार रूपये के जप्त करते हुये डीजे संचालक के खिलाफ मप्र म्यूजिक एवं ध्वनि प्रदूषण एक्ट, कोलाहल अधिनियम के तहत कार्यवाही की गई।

बांधवगढ़ में लापरवाही की कीमत चुका रहे वन्यजीव

पार्क प्रबंधन के दावों के बीच बढ़ रहीं मौतें, जनवरी माह में चार बाघों की हुई थीं मौत

उमरिया नवभारत 2 फरवरी। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व एक बार फिर वन्यजीवों की रहस्यमयी मौतों को लेकर सवालों के घेरे में हैं। जनवरी माह में चार बाघों की मौत के बाद अब भालुओं की लगातार मौतों ने पार्क प्रबंधन की कार्यप्रणाली, निगरानी व्यवस्था और दावों की पोल खोल दी है। हर घटना के बाद जांच, डॉग स्क्वॉड और पोस्टमॉर्टम की औपचारिकता निभाई जा रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर हालात जस के तस बनी हुए हैं।

ताजा मामला पनपथा बफर परिक्षेत्र का है, जहां गश्ती के दौरान लगभग चार वर्षीय नर भालू का शव मिला। प्रबंधन ने इसे प्राकृतिक मृत्यु बताया है। इससे पहले मानपुर बफर क्षेत्र में दो भालुओं की मौत हुई थी, जिनमें एक मादा और एक अवयस्क नर शामिल था। उस मामले में संभावित कारण अन्य वन्यप्राणी से संघर्ष बताया गया।

जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ रहा प्रबंधन

सवाल यह है कि यदि सब कुछ सामान्य है, तो इतनी कम अवधि में अलग-अलग क्षेत्रों में लगातार मौतें क्यों हो रही हैं। पार्क प्रबंधन हर घटना के बाद यह स्पष्ट करता है कि शवों के सभी अंग सुरक्षित हैं, मेटल डिटेक्टर से जांच हुई है और कोई संदिग्ध गतिविधि नहीं मिली, लेकिन बार-बार कुछ भी संदिग्ध नहीं कहकर जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेना क्या पर्याप्त है। क्या बफर जोन में गश्त, निगरानी और स्वास्थ्य मॉनिटरिंग केवल कागजों तक ही सीमित रह गई है।

कमजोर निगरानी व्यवस्था मौतों की बड़ी वजह

वन्यजीव विशेषज्ञों की मानें तो प्राकृतिक मृत्यु और आपसी संघर्ष की आड़ में कई बार प्रबंधन अपनी विफलताओं को दबाने की कोशिश करता है। पानी, भोजन, सुरक्षित मूवमेंट कॉरिडोर और मानवीय दखल जैसे मुद्दे पर गंभीरता से काम नहीं होने का खामियाजा सीधे वन्यजीवों को भुगतना पड़ता है। बफर क्षेत्रों में लगातार बढ़ती मानवीय गतिविधियां और कमजोर निगरानी व्यवस्था भी मौतों की बड़ी वजह मानी जा रही है।

पड़ सकती है पहचान खतरे में

सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि जनवरी में कम अंतराल में चार बाघ और अब कई भालू अपनी जान गंवा चुके हैं। यह आंकड़ा अपने आप में चेतावनी है, लेकिन पार्क प्रबंधन इसे भी सामान्य घटनाक्रम बताने में लगा हुआ है। न तो किसी स्वतंत्र जांच की बात हो रही है और न ही किसी जिम्मेदार अधिकारी की जवाबदेही तय की गई है। स्थानीय लोगों और वन्यजीव प्रेमियों का कहना है कि यदि समय रहते कदम नहीं उठाए गए, तो बांधवगढ़ की पहचान ही खतरे में पड़ सकती है।